

\* मच्छर ने  
तिरछी वसीयत



वाणी प्रकाशन व वर्ल्ड कॉमिक्स इंडिया

# मच्छर ने लिखी वसीयत



**वाणी प्रकाशन**

21-ए, दरियागंज, नयी दिल्ली-110002

फोन : 011-23273167, 23275710, फैक्स : 011-23275710

e-mail : [vaniprakashan@gmail.com](mailto:vaniprakashan@gmail.com)

Website : [www.vaniprakashan.in](http://www.vaniprakashan.in)

ISBN : 978-93-5000-563-7

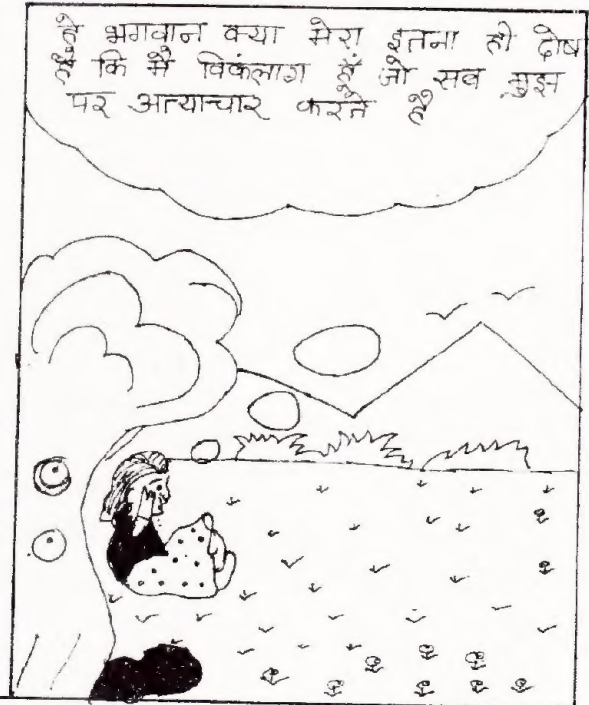
संस्करण : 2011

सर्वाधिकार © वर्ल्ड कॉमिक्स इंडिया

मूल्य : 30 ₹



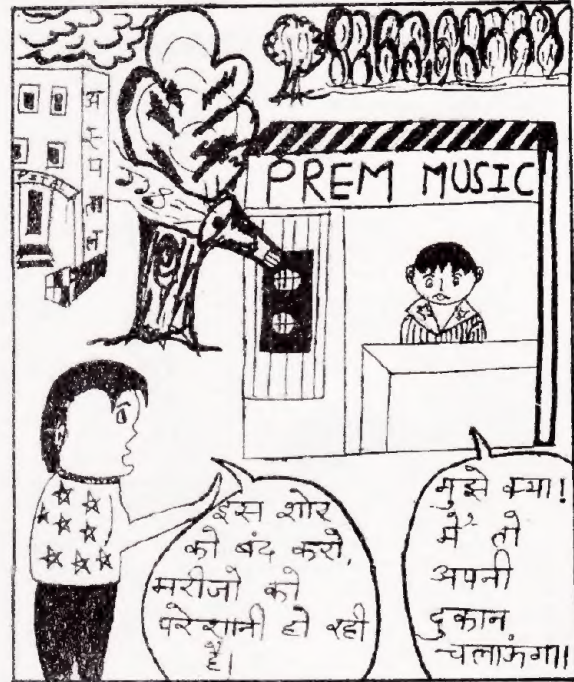
# मेरा गुनाह क्या ?



नाम - शोनिता करणप  
जिला - हरिद्वार  
(उत्तराखण्ड)



# बीमारी का कारण



कीर्तिशर्मा  
[दौसा]





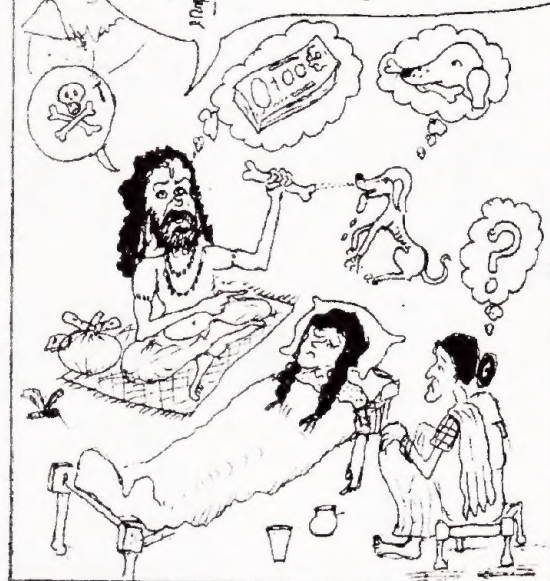
# स्वस्थ ही जीवन है



आनकीपुर गाँव में मुन्नी अपनी माँ के साथ रहती थी। अचानक डायरिया का प्रकोप चला।



इस बच्ची पर डायन का आला सवार है और मर चुकी है इसलिए मैं कुछ नहीं कर सकता।



पासवाले डॉक्टर को पता चलते ही गाँव आ पहुँचा।

मुन्नी की मृत्यु डायन के कारण नहीं बल्कि डायरिया के कारण हुआ है।

घर के आसपास की गंदगी को साफ करो बीमारी नहीं फैलेगी।



अगले दिन से ही उसने सबको खबर कर दिया।

सभी कचड़ों को घर के सामने से दूर फेंको।

काश! मैं पहले ध्यान देती तो मेरी मुन्नी बच जाती।



ANAM PURTY

'JOHAR' CHAIBASA



# उड़ती मौत



नाम - धनशम माफो  
स्कूल - आर्य समाज कॉलेज गौहर धुसी  
वर्ग - 5

# कूड़ेदान का उपयोग





# हाथ ये क्या किया ?



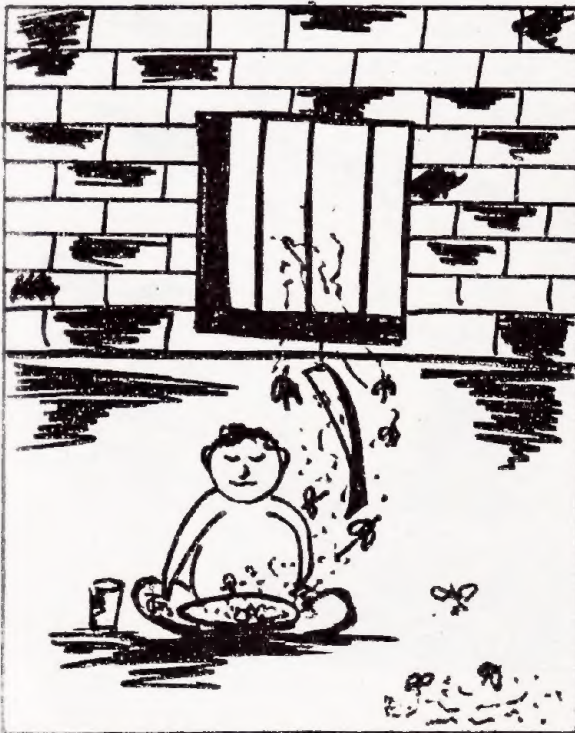
BIRENDRA KUMAR  
VILL - DAMTOLA  
POST OFF - MAJHALI  
DIST - ALMORA  
MO - 944485747







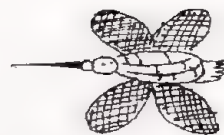
# शौच से पहले सोच







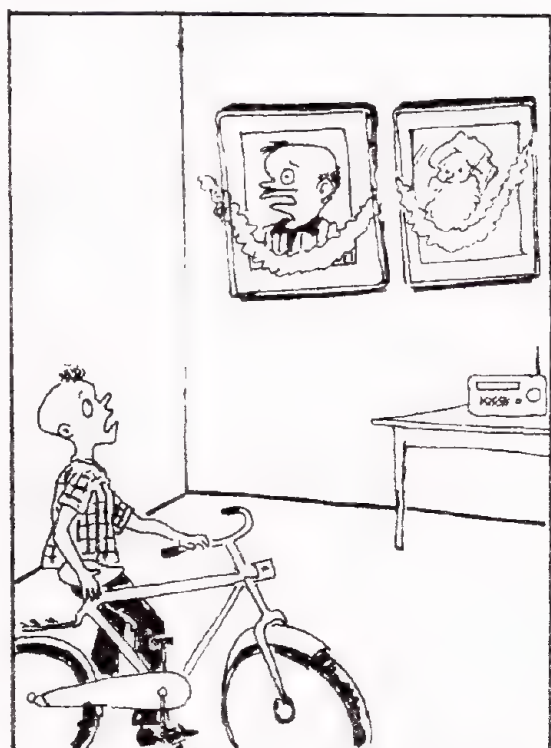
# मलेरिया



केलाश गोरई  
आशरा सैय्या  
जमशेदपुर



# जीवन अनमोल है।



लखवीन्द्र नाथक



# नतीजा



मच्छर ने लिखी वसीयत



लखीन्द्र नायक



# सहर नै लिखी वसीयत

ये हैं श्रीमती शर्मा जो अपने घर का कड़ा बाहर फेंकती हैं.....



श्रीमती शर्मा के सुसुरजी शैलशास को घर के बाहर कुर्सी पर बैठा कर रहे थे।



रचने:  
जर्हि दिल्ली



# जीना हुआ आसान







## कुष्ठ का इलाज सम्भव है। (६३)





# पछतावा



Sarita Saluja  
Bharatpur.



# मच्छर ने तिरछी वसीयत

